



IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI

(ORIGINAL JURISDICTION)

C.P.No. 01/2012

IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956

AND

IN THE MATTER OF M/S ACCENT SHOES PVT. LTD (IN P. LIQN)

**ADVERTISEMENT OF NOTICE TO ALL THE SECURED,/ UNSECURED CREDITORS AND WORKMEN TO PROVE THEIR CLAIMS UNDER SECTION 529 A AND 530 OF COMPANIES ACT, 1956**

Notice is hereby given to the workmen's /secured creditors/ unsecured creditors and other creditors of the above named company in terms of order of the Hon'ble Court passed on 21.03.2018 and they are required to submit to the Official Liquidator, attached to the Hon'ble High Court of Delhi to prove their respective investments/ claims against the above said company by delivering the same at the office of Official Liquidator on or before 26/07/2018 or sending by post to the Official Liquidator so as to reach at the office of the Official Liquidator, Delhi not later than the aforesaid date alongwith an affidavit in support of their investments/claims on a Non- Judicial Stamp Paper in Form NO. 66 of the Companies (Courts) Rules, 1959, alongwith photocopy of original documents proving their investments/claims and any title to priority under Section 529A & 530 of the Companies Act, 1956. Any Workman/Secured Creditor/Unsecured Creditor to the above said company who fails to submit his/her affidavit or proof of his/ her debt within the aforesaid time limit will be excluded from the benefits of any entitlement before his/her investments/claims is proved or as the case may be from objection to such entitlement.

Any workman/secured creditor/unsecured creditor to the above said company who has sent his/her proof, if so, required by notice in writing from the Official Liquidator, Delhi shall either in person or by his/her advocate attend the investigation of such debt or claim at such time and place as shall be specified in such notice and shall produce such further evidence of his/ her debt or claim as may be required.

Dated this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 2018.

*MS/L 18/5718*  
(D.K. SINGH)

OFFICIAL LIQUIDATOR  
ATTACHED TO HIGH COURT OF DELHI  
8<sup>TH</sup> FLOOR, LOK NAYAK BHAWAN  
KHAN MARKET, NEW DELHI-110003  
PHONE NO. 24693393

Visit website [www.delhiol.com](http://www.delhiol.com) & [www.mca.gov.in](http://www.mca.gov.in) for downloading Form no. 66 of the Companies (Court) Rules 1959.



Courts, Near Telsil Building, Delhi.

**वैजैनिक सूचना**  
 सूचना किताबें कि किसे मुक्ति के सुख में उन्को  
 निवास मकान नं. 16/1623, ई-ब्लॉक, माधव नगर, आर्य समाज  
 नं. नई दिल्ली-110005 में अपने पुत्र अशोक एवं अरुण, उर्फ गुरेरा  
 श्रीमती विनीता श्री श्री राम प्रसाद को हक दुर्बलता, माता विना  
 अन्य रिश्तदारों के साथ मार-पीट, गाली गलौच करना, हर  
 भयानकता व परेशान के अन्य सदस्यों के विरुद्ध किए जा रहे  
 होकर अपनी समस्त सत्त व अवसर सम्पत्ति में बंदखत का किया  
 जाने सभी पारिवारिक एवं आर्थिक व व्यक्तिगत सम्पत्ति विच्छेद  
 रूप में उनके किसी भी रूप के लिए सर्वे दुर्भाग्यकारक और उसका  
 वैजैनिक सूचना के प्रस्ताव किसी भी रूप में विरोध नहीं होगा  
 सूचना किताबें का लक्ष्य-द्वारा है तो वह इसके लिए स्पष्ट  
 धारा 66, अधिनियम, नैजी.कम-अधिनियम 16/546-ई-  
 न सिंग रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005.

by Sh. Babu and his wife Smt. Annu and anyone dealing with them shall be doing completely at their own cost, risk and consequences. Manjeet Kapil, Advocate, Chamber No. 323, Patiala House Courts New Delhi-110001.

severed all relations with them and whoever deals with them will do so at his/her/their own risk. Om Prakash, Advocate, Chamber No. 244, Saket Court, New Delhi-110017.

**दिल्ली उच्च न्यायालय नई दिल्ली**  
**(मूल क्षेत्राधिकार)**  
 सीपी नं. 01/2012  
 कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में  
 और  
 मैसर्स एसेट शूज प्रा. लि. (वैक. परिसमापनाधीन) के मामले में  
**कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 529ए एवं 530 के अंतर्गत अपने**  
**दावों के प्रमाण हेतु प्रतिभूत/अप्रतिभूत लेनदारों एवं कामगारों के लिए**  
**सूचना का विज्ञापन**  
 एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नामित कम्पनी के कामगारों/प्रतिभूत/अप्रतिभूत लेनदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उपरोक्त नामित कम्पनी के विरुद्ध अपने संबंधित निवेश/दावों के संबंध में प्रमाण जमा करने के लिए आधिकारिक परिसमापक नियुक्त किया गया है और सभी दावों/प्रमाण आधिकारिक परिसमापक के पास 26.07.2018 तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं या आधिकारिक परिसमापक, दिल्ली के कार्यालय में डाक द्वारा कथित दावे उपरोक्त निर्धारित तिथि तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए और अपने निवेश/दावे के समर्थन में कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 529ए एवं 530 के अंतर्गत अपने निवेश/दावे या अन्य कोई हक के समर्थन में मूल दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ कम्पनी (न्यायालय) नियम, 1959 के फार्म 66 में गैर-न्यायिक स्टैम्प पेपर पर अपने निवेश/दावों के समर्थन में शपथपत्र भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उपरोक्त कथित कम्पनी (परिसमापनाधीन) के कोई भी कामगार/प्रतिभूत/अप्रतिभूत लेनदार उपरोक्त निर्धारित समय-सीमा के भीतर आधिकारिक परिसमापक, दिल्ली के कार्यालय में अपने ऋण के प्रमाण या शपथपत्र को जमा कर सकता है और इसके बिना ऐसे किसी भी निवेश/दावों या ऐसे किसी भी हक विलेख के लाभ पर विचार नहीं किया जाएगा। उपरोक्त कथित कम्पनी (परिसमापनाधीन) के कोई भी कामगार/प्रतिभूत/अप्रतिभूत लेनदार लिखित में अपने प्रमाण, यदि आवश्यक हो, आधिकारिक परिसमापक, दिल्ली के पास व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से ऐसे ऋण या दावे की जांच के संबंध में सूचना में निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित हो सकता है और आगे अपने ऋण या दावे के समर्थन में अपना कोई प्रमाण प्रस्तुत कर सकता है।  
 आज दिनांक ..... 2018

परिसमदा की दृष्टि से निजी क्षेत्र में भारत के शीर्ष बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने आज घोषणा की कि उसने देश के निजी क्षेत्र के बैंकों में से पहला, 1.5 करोड़ रुपये से अधिक के बंधक ऋण वितरित करने के मील का पत्थर पार कर लिया है, जो इसे निजी क्षेत्र के बैंकों के बीच सबसे बड़ा बंधक ऋणदाता बना देता है। इसका उद्देश्य वित्त वर्ष 2020 के अंत तक अपनी अखिल भारतीय बंधक पुस्तक को 2 ट्रिलियन रुपये तक बढ़ाना है। इसके अलावा, बंधक ईकोसिस्टम को डिजिटलाइज करने के लिए बैंक ने डेवलपर्स को अपनी परियोजनाओं के लिए कागजात रहित तरीके से अनुमोदन प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। इस पहल ने बैंक को पूरी तरह से ऑनलाइन 2,000 नई आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए 40 शहरों में 30,000 अनुमोदित परियोजनाओं के बेजोड ऑनलाइन भंडार को भी सक्षम किया है। पोर्टल का उद्देश्य घर खरीदारों के लिए एक-स्टॉप-शॉप अनुभव प्रदान करना है जहां वे बैंक द्वारा अनुमोदित आवास परियोजनाओं की एक बड़ी श्रृंखला से, आसानी से अपने सपनों का घर चुन सकते हैं। इस माइल स्टोन की उपलब्धि पर बोलते हुए, आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री अनुप बागची ने कहा, "आईसीआईसीआई बैंक ने खुदरा ऋण विशेष रूप से गृह ऋण व्यापक रूप से सुलभ और किफायती बनाकर 2000 के आरंभ में देश में रिटेल लोन की वृद्धि को जन्म दिया।"

**Advertisement Requiring**  
**Attendance of Defendant**  
**Order 5, Rule 20 of the**  
**Code of Civil Procedure)**  
**Court of Sh. Vipin**  
**Rai, ADJ-06,**  
**East District, Room**  
**0, Saket Courts, New**  
**Delhi.**  
**Case No.-RCA/303/16.**  
**Plaintiff**  
**Defendant**  
**you are**  
**evading service**  
**it is hereby**  
**that if you shall not**  
**the case on the 10<sup>th</sup>**  
**July, 2018 the day**  
**the final disposal, it**  
**heard and determined**  
**under my hand and the**  
**Court, this 08<sup>th</sup> day**  
**2018.**  
**Judge**  
**ADJ-06,**  
**South-East District,**  
**Courts, New Delhi.**

हस्ताक्षर  
 (डी.के.सिंह)  
 आधिकारिक परिसमापक  
 दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त  
 आठवां तल, लोकनायक भवन,  
 खान मार्केट, नई दिल्ली-110003  
 फोन नं. 24693393

**एसएमई कंपनियों**  
**ने आईपीओ से**  
**825 करोड़ जुटाए**  
 नई दिल्ली, (भाषा)। देश के 47 लघु और मझोले उद्यमों (एसएमई) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये चालू वित्त वर्ष

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,  
 लोक निर्माण विभाग कांकेर मण्डल कांकेर

11 वीर अर्जुन, नई दिल्ली, 5 जुलाई, 2018

**चमके एक्जिम बैंक को आरबीआई से मिला प्रथम पुरस्कार**  
 नई दिल्ली, (बीओ)। एक्जिम बैंक को अपनी गतिशीलता, हल्की शुरुआत कहा, हल्की शुरुआत की आर्थी जिसका कारण पत्रिका 'एक्जिमिअस' के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रथम पुरस्कार प्रदान किया है।



Being from  
I have to  
one has a

For Registrar,  
DRT-III, DELHI

**IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI  
(ORIGINAL JURISDICTION)**

C.P. No. 01/2012  
**IN THE MATTER OF COMPANIES ACT, 1956**  
AND  
**IN THE MATTER OF M/S ACCENT SHOES PVT. LTD.  
(IN PROV. LIQ.N.)**

**ADVERTISEMENT OF NOTICE TO ALL THE  
SECURED/UNSECURED CREDITORS &  
WORKMEN TO PROVE THEIR CLAIM UNDER  
SECTION 529A AND 530 OF COMPANIES ACT, 1956**

Notice is hereby given to workmen's/secured creditors/unsecured creditors and other creditors of the abovenamed company in terms of order of the Hon'ble Court passed on 21-03-2018 and they are required to submit to the Official Liquidator, attached to the Hon'ble High Court of Delhi to prove their respective investments/claims against the abovesaid company by delivering the same at the office of Official Liquidator on or before 26-07-2018 or sending by post to the Official Liquidator so as to reach at the office of the Official Liquidator, Delhi not later than the aforesaid date alongwith an affidavit in support of their investments/claims on a Non-Judicial Stamp paper in Form No. 66 of the Companies (Courts) Rules 1959, alongwith photocopy of original documents proving their investments/claims and any title to priority under Sections 529-A & 530 of the Companies Act, 1956. Any Workman/Secured Creditor/Unsecured Creditor to the above said company who fails to submit his/her affidavit or proof of his/her debt within the aforesaid time limit will be excluded from the benefits of any entitlement before his/her investments/claims is proved or as the case may be from objection to such entitlement.

Any workman/secured creditor/unsecured creditor to the abovesaid company who has sent his/her proof, if so, required by notice in writing from the Official Liquidator, Delhi shall either in person or by his/her advocate attend the investigation of such debt or claim at such time and place as shall be specified in such notice and shall produce such further evidence of his/her debt or claim as may be required.

(D.K. Singh)  
Official Liquidator  
Attached to High Court of Delhi  
8th Floor, Lok Nayak Bhawan,  
Khan Market, New Delhi-110003  
Phone No. 011-24693393-94

ed in the  
students,  
cial ele-  
rs claim-  
SPwork-  
such per-  
e attack,"  
e and the  
on for the  
lso been  
going to  
connec-  
whom we  
id.  
when the  
to reopen,  
has been  
orders."  
teachers  
or Vinod  
vost San-



(garh)

3-19

ach.  
HIP  
t  
nnum  
nnum  
nnum  
07.18

mbers  
ore details  
w.bhsbiet.ac.in  
Principal